Journal Homepage: www. ijarpr.com ISSN: 3049-0103 (Online)

International Journal of Advance Research Publication and Reviews

Vol 02, Issue 10, pp 302-304, October 2025

तेजिन्दर की बेटी समीरा से साक्षात्कार

[1]निशा गौतम ,[2]डॉ अरविन्द सिंह

*[1] शोध छात्रा (हिंदी), [2]**शोध निर्देषक–** (हिंदी विभाग)*
क्राइस्ट चर्च कॉलेज, कानपुर ए उत्तर प्रदेश ए भारत
***Email**-Nishaglko15@gmail.com*

सारांश–

तेजिन्दर की बेटी समीरा जी से लखनऊ में मुलाकात हुई, जहां उन्होंने अपने पिता तेजिन्दर सिंह श्गगनश जी के साहित्यिक जीवन से परिचित कराया। तथा उन्होंने अपने साहित्यिक लेखन की शुरुआत कहां से की और किन–किन विषयों को उन्होंने अपने साहित्य में स्थान दिया। तथा कैसे वे परेशानियों का सामना करते हुए साहित्य में आज अपना स्थान बनाया है।

कीवर्ड – साक्षात्कार जालंधर(पंजाब), आदिवासी, परिवहन व्यवसाय, देशबंधु अखबार, अन्टोल्ड पत्रिका।

सामग्री और तरीके– साक्षात्कार, प्रश्नावली

प्रश्न –1 तेजिन्दर जी का पूरा नाम क्या था?

उत्तर– तेजिन्दर जी का पूरा नाम तो था, **तेजिन्दर सिंह 'होरा'**। 'गगन' सरनेम हमारे खानदान में दूर–दूर तक है ही नहीं, पापा जब पन्द्रह–सोलह वर्ष के रहे होंगे तभी से लिखना शुरू कर दिया था, किन्तु अपने नाम को लेकर दुविधा में थे कि कौन पढ़ेगा तेजिन्दर सिंह 'होरा' को। उस समय एक फिल्म रिलीज हुई थी जिसका नाम था **'हमराज'**। जोकि उस समय बहुत सुपरहिट फिल्म हुआ करती थी जिसका एक गाना पापा जी को बेहद पसंद था।

"हे नीले गगन के तले

धरती का प्यार पले"

ये गाना उनको बहुत पसंद था। इस गाने को सुनने के बाद पापा को **'गगन'** शब्द इतना ज्यादा पसंद आया ,कि उन्होंने सोचा क्यों न तेजिन्दर सिंह 'गगन' नाम रख लिया जाए। तब उन्होंने स्वयं ही अपना नाम तेजिन्दर सिंह 'गगन' रख लिया। तब से उनका यही नाम प्रचलित है।

प्रश्न–2 तेजिन्दर सिंह 'गगन' के माता–पिता का क्या नाम था?

उत्तर– तेजिन्दर जी की **माता का नाम 'आज्ञाकौर'** तथा **पिता जी का नाम 'श्री बलवंत सिंह'** था।

प्रश्न–3 तेजिन्दर जी की प्रारंभिक शिक्षा कहां से हुई थी?

उत्तर– तेजिन्दर जी की प्रारंभिक शिक्षा के.जी.–1 और के.जी.–2 **जालंधर (पंजाब)** से हुई थी। जब पापा पाकिस्तान से बंटवारे के बाद जालंधर आए थे। उसी समय मेरे दादा **श्री बलवंत सिंह** जी अपने दोस्त के पास छत्तीसगढ़ (जिला–कांकेर) चले गए, उसके बाद उनकी कक्षा– 5 से 8 तक की शिक्षा 'कांकेर' (छत्तीसगढ़) से हुइ और बाकी की पूरी शिक्षा **रायपुर (छत्तीसगढ़)** से हुई थी।

प्रश्न–4 तेजिन्दर जी की मृत्यु कब और कहां हुई थी?

उत्तर– **11 जुलाई 2018** की बात है,शाम का समय था, पापा बिलकुल ठीक थें कोई भी दर्द नहीं हुआ था न तो कहीं हॉस्पिटल गए थे, बल्कि उसी शाम उन्होंने एक आर्टिकल भी लिखा था। वह आर्टिकल शायद किसी अखबार या मैंगनीज में छपनें के लिए लिख रहे थे। **11 जुलाई** को ही दिन में एक शादी भी

अटेंड की थी। शाम को तकरीबन **सात या साढ़े सात का समय** रहा होगा तभी उन्होंने मम्मी से चाय बनाने के लिए कहा और मम्मी से बोले तब तक मैं थोड़ा आराम कर लेता हूं लेकिन मम्मी जब चाय लेकर आईं तो पापा उठे ही नहीं। डॉक्टर ने **'साइलेंट हार्ट अटैक'** बताया। यदि किसी की तबियत पहले से खराब होती है तो थोड़ा आभास होता, तब मुझे भी लगता कि पापा की तबियत ठीक नहीं है। जब मेरी उसी दिन शाम को मम्मी से बात हो रही है सब कुछ अच्छे से चल रहा है, मम्मी चाय बना रही हैं सब कुछ ठीक है, उस समय मैं बॉम्बे में थी जब अचानक से मुझे पता चला तो कुछ देर तक तो मुझे विश्वास ही नहीं हुआ कि पापा अब इस दुनिया में नहीं है। **पापा की मृत्यु घर पर ही रायपुर (छत्तीसगढ़)** में हुई थी।

प्रश्न–5 तेजिन्दर सिंह 'गगन' अपनी माता–पिता की इकलौती संतान थे? या अन्य भाई–बहन भी थे?

उत्तर– पापा, अपनी माता –पिता की इकलौती संतान नहीं थे, बल्कि **दो भाई और एक बहन** थे। **भाई का नाम–जोगिन्दर** था जोकि पापा से छोटे थे। **बहन का नाम–रूपिन्दर सिंह दीवान** है।

प्रश्न–6 तेजिन्दर जी की पत्नी का क्या नाम था। तथा उनकी शिक्षा कहां तक हुई है और वर्तमान में वे क्या करती हैं?

उत्तर– मम्मी जी का नाम–**दलजीत कौर 'गगन'** है वें शुरू से **गृहणी (होम मेकर)** ही रही हैं। उनकी **बी..ए. तक की शिक्षा प्रतापगढ़ (उत्तर प्रदेश)** मायके से हुई तथा **एम.ए. शादी के बाद रायपुर (छत्तीसगढ़)** से किया था।

प्रश्न–7 समीरा जी आपकी प्रारंभिक शिक्षा कहां से हुई है और वर्तमान में आप क्या कर रहीं हैं?

उत्तर– पापा जी दूरदर्शन में नौकरी करते थे तो उनके ट्रांसफर की वजह से मैंने कई स्कूल बदलें होंगे। मेरी **कक्षा –1 से कक्षा– 12 तक की शिक्षा आठ अलग–अलग शहरों से हुई है जिनमें नागपुर , देहरादून, चेन्नई तथा अहमदाबाद आदि शहर शामिल हैं।** ग्रेजुएशन के लिए मै बॉम्बे चली गई, वहा लगभग मैं 10 वर्ष तक रही। उसके बाद वहीं सन् 2020 में कोविड–19 के दौरान जब लॉकडाउन चल रहा था उस समय मम्मी घर पर अकेली ही रह रहीं थीं। जिससे कि मेरा परिवार की ओर लगाव थोड़ा ज्यादा ही हो गया तब से मैं मम्मी के साथ कुछ दिन अपने ननिहाल प्रतापगढ़ (उत्तर प्रदेश) में रही । क्योंकि पापा की मृत्यु के बाद से घर में मन नहीं लगता था। लेकिन अब हम वापिस अपने घर रायपुर (छत्तीसगढ) में रहते है।

प्रश्न–8 तेजिन्दर सिंह 'गगन' जी को अब तक किन–किन पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है?

उत्तर– पापा को अब तक कई पुरस्कार मिल चुके हैं जैसे–

- **लखनऊ का 'कथाक्रम पुरस्कार'–2006 में दिया गया था।**
- **छत्तीसगढ़ शासन का 'पंडित सुंदरलाल शर्म' सम्मान' मिल चुका है।**
- **'वह मेरा चेहरा' उपन्यास के लिए मध्यप्रदेश शासन साहित्य परिषद का 'अकादमी पुरस्कार' भी मिल चुका है।**
- **मध्यप्रदेश हिंदी साहित्य सम्मेलन का 'वागीश्वरी सम्मान'।**
- **'लीलारानी स्मृति सम्मान'।**
- **'वनमाली कथा सम्मान'।**

प्रश्न–9 तेजिन्दर जी ने किन लोगों से प्रभावित होकर लेखन कार्य शुरू किया था?

उत्तर– पापा को लिखने पढ़नें का शौक तो बचपन से ही था। जबकि घर में ऐसा माहौल नहीं था, क्योंकि मेरे दादाजी की मानसिकता **'परिवहन व्यवसाय'** की थी लेकिन **मेरी दादी जी को गुरबानी (पढ़नें–लिखनें का शौक) का बहुत शौक था।** पापा जब **कांकेर** में थे तो वहां की आदिवासी महिलाओं को देखकर उनके मन में तरह–तरह के विचार आते थे जो शायद उस उम्र के बच्चों में नहीं आते, या फिर यूं कहें कि वे भाग्यशाली थे जो उनको ऐसे–ऐसे लोग भी मिलते रहे क्योंकि उस समय घर की स्थिति भी इतनी अच्छी नहीं थी यहां तक कि उनको पुस्तकें खरीदने के लिए भी पैसे नहीं मिलते थे तो वह लाइब्रेरी में जाकर पढ़ते थे। लाइब्रेरी में ही उनको **'दत्त' नामक एक व्यक्ति मिले जो किसी चर्च के पादरी (प्रीस्ट) या लेखक थे।** पापा के मिलने वालों में ही एक लोग और थे जिनका नाम **'डॉक्टर आनंद' था, जोकि बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय के प्रोफेसर थे** वह भी पापा की पढ़ने की जिज्ञासा को देखकर अपनी पुस्तक पढ़ने के लिए दे दिया करते थे वैसे तो **पापा ने अपनी ग्रेजुएशन तक के शिक्षा अंग्रेजी भाषा में ही पूरी की,** किंतु जैसे–जैसे वे बड़े होते गए तो लिखने की जिज्ञासा उनमें बढ़ती गई। वैसे तो पापा पढ़ने में बहुत अच्छे नहीं थे क्योंकि उनका मानना था कि डिग्री मायने नहीं रखती है बल्कि आप डिग्री में से क्या सीखते हो वह मायने रखता है। **जब पापा ग्रेजुएशन में थे तो पत्रकारिता में उनके नंबर 100 में से 35–40 ही रहें होंगे,** तो **उनके शिक्षक ने उनसे कहा था,"तुम क्या पत्रकार बनोगे तुमसे तो पढ़ाई ही नहीं होती है।"**

अब सोचिए वही इंसान आगे चलकर पत्रकार तो क्या **दूरदर्शन के उपमहानिदेशक** तक रह चुके हैं। पापा कहते थे कि पढ़ाई से आप वह चीजें सीखो जिसका कि हमारे जीवन में कुछ महत्व हो। वे **दूरदर्शन के महानिदेशक से पहले 'सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया' में भी नौकरी कर चुके थे।** कुछ दिन उन्होंने **'देशबन्धु अखबार' मे, रायपुर में भी नौकरी कर चुके थें** उसी दौरान **आकाशवाणी में नौकरी मिल जाती है** फिर यहीं से पदोन्नति होते –होते दूरदर्शन के उपमहानिदेशक तक का सफर तय किया।

प्रश्न–10 तेजिन्दर जी की पहली पुस्तक कौन सी थी?

उत्तर– पापा की **पहली पुस्तक 'टायर' है जो उन्होंने सन् 1972 में लिखी थी।** उस समय पापा की उम्र लगभग 16–17 वर्ष ही रही होगी लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि ये रचना **अनुपलब्ध** है।

प्रश्न–11 क्या तेजिन्दर जी कोई पत्रिका भी निकालते थे?

उत्तर– **हां, रिटायरमेंट के बाद पापा ने एक मैगजीन शुरू की थी जिसका नाम था 'अन्टोल्ड' (2013)**। इसमें उनके जितने भी **'व्यक्तिगत संपर्क'** थे जिनमें उनके कुछ खास मित्र भी शामिल थे **जैसे– लीलाधर मंडलोई, किरन चोपड़ा** के अलावा अन्य जितने भी खास मित्र थे उनसे कहा, मैं आप लोगों से एक–एक आर्टिकल चाहता हूं क्योंकि मैं अपनी **अन्टोल्ड** नाम से **मैंगनीज** निकालना चाहता हूं। **'अन्टोलड पत्रिका'** को लोगों द्वारा बहुत पसंद किया गया था किन्तु, कुछ समस्याओं के चलते इस पत्रिका को बाद में बंद कर दिया था।